भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3256
उत्तर देने की तारीख-16/12/2024

शिक्षकों का प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास

†3256. डॉ. गुम्मा तनुजा रानी:
श्री विवेक ठाकुर:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्कूलों में शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास के लिए सरकार द्वारा क्या पहल की गई है;
(ख) पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा चलाए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित इन पहलों के तहत कितने शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए;
(ग) क्या सरकार द्वारा स्कूलों में दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या नई शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन के बाद राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए कोई कार्यक्रम लागू किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ड.) एनईपी, 2020 के अनुरूप शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ङ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में बताया गया है कि "शिक्षक वास्तव में हमारे बच्चों के भविष्य को- और इसलिए, हमारे राष्ट्र के भविष्य को भी आकार देते हैं। हमारे बच्चों और हमारे राष्ट्र के लिए सर्वोत्तम संभव भविष्य सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों की प्रेरणा और सशक्तिकरण आवश्यक है।" एनईपी 2020 में परिकल्पना की गई है कि शिक्षकों को आत्म-सुधार के लिए निरंतर अवसर दिए जाने चाहिए और उन्हें अपने व्यवसायों में नवीनतम नवाचारों और प्रगति को सीखने का अवसर दिया जाना चाहिए। इन्हें स्थानीय, क्षेत्रीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं के साथ-साथ ऑनलाइन शिक्षक विकास मॉड्यूल के रूप में कई तरीकों से प्रस्तुत किया जाता है। प्लेटफ़ॉर्म (विशेष रूप से ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म) विकसित किए जाने हैं ताकि

शिक्षक विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा कर सकें। प्रत्येक शिक्षक से अपेक्षा की जाती है कि वह स्वयं के हितों से प्रेरित होकर स्वयं के व्यावसायिक विकास के लिए प्रति वर्ष कम से कम 50 घंटे सीपीडी (निरंतर व्यावसायिक विकास) अवसरों में भाग लें।

शिक्षकों को निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के माध्यम से निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) कार्यक्रम जैसी पहलों को लागू किया जाता है। यह शिक्षक योग्यता बढ़ाने, नवीन शैक्षणिक प्रथाओं को बढ़ावा देने और शिक्षा में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने पर एनईपी की प्राथमिकता के अनुरूप है। निष्ठा शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार, समानता को बढ़ावा देने और जीवंत, समावेशी एवं भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली बनाने के एनईपी के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पिछले तीन वर्षों में एनसीईआरटी द्वारा आयोजित विभिन्न निष्ठा कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या निम्नानुसार हैं:

कार्यक्रम	**शुरू किया गया**	**प्रमाणन की संख्या**
निष्ठा (प्राथमिक) आमने-सामने	अगस्त 2019	17,73,312
निष्ठा प्रारंभिक ऑनलाइन	अक्टूबर 2020	22,64,564
निष्ठा माध्यमिक ऑनलाइन	जुलाई 2021	7,64,278
निष्ठा एफएलएन ऑनलाइन	सितंबर 2021	13,59,065
निष्ठा ईसीसीई ऑनलाइन	जुलाई 2022	1,55,821

इसके अतिरिक्त, एनसीईआरटी ने शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों की योग्यता विकसित करने के लिए कई प्रशिक्षण आयोजित किए:

i. वर्ष 2020 से अब तक डिजिटल उपकरणों, शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन में आईसीटी के एकीकरण, साइबर सुरक्षा आदि पर विभिन्न हितधारकों के वेबिनार उन्मुखीकरण के हिस्से के रूप में लगभग 1146 सत्र आयोजित किए गए हैं। (https://ciet.ncert.gov.in/webinar)
ii. वर्ष 2021-24 के दौरान 'ईटी और आईसीटी पर एनईपी 2020' और 'ई-सामग्री का विकास' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण श्रृंखला से लगभग 7,73,176 शिक्षार्थी लाभान्वित हुए हैं। (https://ciet.ncert.gov.in/w&t)
iii. वर्ष 2024-25 के दौरान, लगभग 1,48,837 शिक्षार्थी लगभग 13 ऑनलाइन प्रशिक्षणों और दीक्षा के माध्यम से संचालित शिक्षण-अधिगम गतिशीलता को उन्नत करने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों पर प्रमाणन के लिए 5 घंटे के माइक्रो पाठ्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं।

iv. अक्टूबर 2021 से, केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईईटी-एनसीईआरटी) प्रति माह साइबर सुरक्षा और संरक्षा पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। साइबर सुरक्षा और संरक्षा पर इन ऑनलाइन प्रशिक्षणों से लगभग 3,83,348 शिक्षार्थी लाभान्वित हुए हैं।

v. वर्ष 2024-25 के दौरान, लगभग 2,19,670 शिक्षार्थी साइबर सुरक्षा और सरंक्षा पर लगभग 13 ऑनलाइन प्रशिक्षणों और दीक्षा के माध्यम से प्रमाणन के लिए 5 घंटे के माइक्रो कोर्स से लाभान्वित हुए हैं।

vi. एनईपी 2020 के अनुसार, शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों और अन्य हितधारकों के लिए सतत व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम एनसीईआरटी द्वारा दीक्षा (https://ciet.ncert.gov.in/onlinecourses) के माध्यम से प्रस्तुत किए जाते हैं।

सेवा-पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए, एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के लिए मानदंड और मानक, एक चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम जिसे 21वीं सदी की मांगों के लिए शिक्षकों को व्यापक रूप से तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा 26 अक्टूबर 2021 को अधिसूचित किया गया है। जैसा कि एनईपी 2020 में उल्लिखित है, आईटीईपी एक अग्रणी पहल है जो शिक्षा को एक विशिष्ट अनुशासन और चरण-विशिष्ट विशेषज्ञता से सुसज्जित करती है। यह दोहरा प्रमुख कार्यक्रम चार वर्ष तक चलता है और इसे विभिन्न स्कूल चरणों को पूरा करने के लिए संरचित किया गया है: आधारभूत, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक। आईटीईपी पाठ्यक्रम रूपरेखा और चरण-विशिष्ट पाठ्यक्रम एनईपी 2020, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा योग्यता रूपरेखा (एनएचईक्यूएफ़) और राष्ट्रीय क्रेडिट रूपरेखा (एनसीआरएफ़) के साथ अनुकूलित है और **21**वीं सदी के कौशल और क्षमताओं पर जोर देता है।

शिक्षकों के पेशेवर विकास में सहयोग प्रदान करने के लिए शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) और राष्ट्रीय मार्गदर्शन मिशन (एनएमएम) विकसित किए गए हैं। एनपीएसटी कैरियर के विभिन्न चरणों में प्रभावी शिक्षण के लिए आवश्यक योग्यताओं की रूपरेखा तैयार करता है। एनएमएम शिक्षकों को पेशेवर और व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने हेतु सलाहकारों का एक मजबूत नेटवर्क बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। एनपीएसटी मार्गदर्शक दस्तावेज़ और एनएमएम ब्लूबुक को व्यापक प्रसार के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है।

इसके अलावा, एकीकृत केन्द्र प्रायोजित योजना समग्र शिक्षा के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को योजना की विभिन्न गतिविधियों/घटकों के कार्यान्वयन के लिए योजना के कार्यक्रमगत और वित्तीय मानदंडों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें शिक्षक प्रशिक्षण और देश में सभी **613** कार्यात्मक डीआईईटी के भौतिक उन्नयन के लिए चरणबद्ध तरीके से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ताकि डीआईईटी द्वारा प्रदान किए जाने वाले सेवाकालीन प्रशिक्षण को सुदृढ़ किया जा सके।

*****